प्रेस विज्ञप्ति

उन्नत भारत अभियान का केन्द्र बना हिन्दुस्तान कॉलेज

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने गांधी जयंती पर की घोषणा

शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी को मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम शुरू करने का अवसर मिला। आईआईटी दिल्ली इस परियोजना के लिए राष्ट्रीय समन्वयक संस्थान है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण भारत को समृद्ध करना है। ग्रामीण विकास प्रक्रिया में परिवर्तकारी परिवर्तन लाने के लिए देश के प्रमुख संस्थानों के ज्ञान आधार और संसाधनों को लाभ उठाना है। इस योजना के तहत देश के 841 विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों को चयन किया गया है।

इस अवसर पर शारदा ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री वाई.के.गुप्ता, कार्यकारी उपाध्यक्ष श्री प्रदीप महथा, अधिशासी निदेशक प्रो. वी. के. शर्मा ने संस्थान के निदेशक, शिक्षकणगण, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं को इस उपलब्धी की बधाई एवं शुभकामनायें दीं।

महात्मा गांधी द्वारा अपने मौलिक कार्य में 'हिंद स्वराज' पश्चिमी विकास सम्बन्धी प्रतिमान, केन्द्रीय प्रौद्योगिकियों और शहरीकरण के आधार पर, गम्भीर पारिस्थितिकीय गिरावट के असमानता और जलवायु परिवर्तन जैसे गम्भीर समस्याओं को जन्म दिया है। इन समस्याओं को सुधारने के लिए, ग्रामीण संसाधनों के विकास को स्थानीय संसाधनों के आधार पर आत्मनिर्भर ''गाँव गणराज्य'' के घंडियन संस्करण के साथ–साथ विकेन्द्रीकृत, पर्यावरणीय प्रौद्योगिकियों क्ज्ञ उपयोग करना आवश्यक है ताकि खाद्य, कपड़ों, आश्रय की मूल आवश्यकता, स्वच्छता, स्वास्थ्य देखभाल, ऊर्जा आजीविका, परिवहन और शिक्षा स्थानीय रूप से मुलाकात की जाती है। यह गांवों के समग्र विकास का दृष्टिकोण होना चाहिए।

उन्नत भारत अभियान परियोजना के समन्वयक और असिस्टेंट डीन टी.एस. एस. सुब्रामिनियन ने उल्लेख किया कि परियोजना के उद्देश्य के तहत कॉलेज के आसपास के पाँच गांवों को अपनाया जायेगा जिससे सर्वेक्षण ग्रामीण क्षेत्रों के लिए तकनीकी समाधान प्रदान करने और विकसित करने के लिए अग्रणी सर्वेक्षण कर

सके और बुनियादी तकनीकी जरूरतों को पूरा किया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि प्रौद्योगिकियों को जैविक खेती, नवीकरणीय ऊर्जा, जल प्रबंधन, आर्टिसन इंडस्ट्रीज और आजीविका के क्षेत्रों में विकसित किया जायेगा जो उन्नत भारत अभियान परियोजना के दिशानिर्देशों में है जिससे ग्रामीण उद्यमिता को भी बढ़ावा दिया जा सके।

संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय बताया कि कॉलेज ने पहले से ही पींगरी और दीन दयाल धाम के आस–पास के गाँवों को अपनाया रखा है और डिफ्लोराइडरेशन प्लांट (डीएसटी द्वारा प्रायोजित, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जल प्रौद्योगिकी पहल कार्यक्रम के तहत) स्थापित कर चुका है। गाँव दीन दयाल धाम (फरह) में 4000 एचपीएच क्षमता वाला डीफ्लोराइडरेशन प्लांट भी स्थापित कर चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कॉलेज ने परिसर में जैविक खेती को लागू करने जैसी परियोजना की भी पहल की है। कॉलेज ने पहले से ही बायो डीजल परियोजना निष्पादित कर दी है जिसे डीएसटी भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया जाता है। परिसर में सौर ऊर्जा संयंत्र भी लागू कर रहा है। कॉलेज ने जल प्रबंधन के लिए अच्छी तरह से आओ संयंत्र बनाये रखा है।

हम इस परियोजना के माध्यम से ग्रामीण गाँवों के पर्यावरण–अनुकूल तकनीकी समाधान देने में इस परियोजना के माध्यम से भारत सरकार की पहल का हिस्सा बनकर खुश हैं जिससे समाज के मानव संसाधनों की मूल आजीविका को समृद्ध किया जा सके। इस अभियान के तहत कॉलेज गाँव के पंचायतों के साथ मिलकर काम करेगा और स्थानीय ग्रामीणों के लिए जागरूरकता अभियान आयोजित करने के नियमित अभ्यास में भारत सरकार के दृष्टिकोण को फैलायेगा।

उन्होंने बताया कि चयन करने और ग्राम पंचायतों और आस–पास के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध में काम करने के अवसर प्रदान करने के लिए एचएचआरडी का धन्यवाद किया। कॉलेज आईआईटी दिल्ली से परामर्श लेगा और पास के गाँवों को समाधान और समर्थन प्रदान करने के लिए मथुरा के स्थानीय सरकारी अधिकारियों से भी मार्गदर्शन लेगा।

इस अवसर पर संस्थान के समस्त डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, कर्मचारियों ने खुशी व्यक्त की।